



આમા દાદાકાથિ	
૪૪૫	

ASHA ARCHIVES

ॐ नैरवाये नमस्वा हाः १
 ॐ भूतनाथाये स्वा हाः २
 ॐ भूतेनि स्वा हा - ३
 ॐ भूतवावने स्वा हा - ४
 ॐ क्षत्रज्ञ स्वा हा - ५
 ॐ क्षत्रज्ञा स्वा हा - ६
 ॐ क्षत्रज्ञ स्वा हा - ७
 ॐ क्षत्रीय स्वा हा - ८
 ॐ विरानाये स्वा हा - ९
 ॐ मसा न वा सिने स्वा हा १०

ॐ श्रीगणेशाय नमो ॥ ॥ श्री
सहस्रनामस्तोत्रे नमो ॥ ॥
श्रीविरभद्राय नमो नम
ॐ अस्य श्रीविरभद्रमाहा
र्म्यस्य अवोरजविप्रिनय
द्योतात्सत्पदद्वयं श्रीवि
रभद्रदेवतां ॥ विवीनरसा
सिंह ॥ किल कं ॥ ॐ श्रीवि
रभद्रप्रसादममसेवार्थ
त्रिष्टुतिप्रार्थय्यो भक्तियो
ग ॐ श्रीविरभद्राय नमो
नम ॥ ॐ माहाप्रलापान

त किर नाये ॐ श्री विर भ
द्राये ज ता जु ता म नि म क्र म
भुष नाय युग जु गा ता का त
प्र ये यो प्र च रा दाय ॥ ख कु वि
सु लः ५ म्ब ह ह स्ता ये ॥ क
रे वा नः र व द ग ह स्ता ये ॥ सु
र्ये का त ॥ व न कुं रा द ला वा
सु वा सु की कु रा द ल भुष ना
ये ॥ न क्ष त्र हर नायेः क र्को
त क य जो प वि ता ये सं ख पा
ल क ति भुष न मा हा प द

पा द या कु लि कं कं डे पा द जु
गा ये त्र र रा द मु रा द मा ला
सं ख पा ला ये ॥ वि रो ह ना
ये आ चा र ना ये आ भु ड
त मु र्ति वर्त्ता मा ना ये ॥
मु ति मु क्त भ र ना ये ॥
भु धी ता ये द द ज जो वि ना
सा ये ॥ श्री वि र भ द्रा ये स
र्व स जु कु ल वि ना सा ये
न मो न मः ॥ ॐ वि र भ
द्रा ये न मो न मः ॥ ॐ ३

कदस्वा हा ॥ ॐ श्री वि
रभद्राय नमो पूर्व दु
ष्टार वंध्या वंधी अजे
दुष्टार वंध्या वंधीः वा
युध्या दुष्टार वंध्या वंधी
उत्तर दुष्टार वंध्या वंधी
ईशान दुष्टार वंध्या वं
धीः आकास दुष्टार
बंध्या वंधीः वामाल
दुष्टार वंध्या वंधी

आनरी दुष्टार वंध्या वंधी ॥
ॐ श्री हिं ३ कदस्वा हा ॥
ॐ श्री वीरभद्राय नमो
नमः ॥ ॐ श्री हिं कदस्वा
हाः ॥ ॥ ॐ असम २
ॐ मा हा भस्मः ॐ प्रति
पालाया कालमुर्तिधा
रनाय भस्म ॐ श्री वि
रभद्रकेतुस्तस्य नमः
भस्मः ॐ हिं ५ ॐ भस्म ॥
वंदना देवदंकिनी मुं

हा प न दानि मुक्त के सि
नि भुत ॥ माहा भुत २
भया कु डे व ग्रहा ॥ भु
त ग्रहा प्रेत ग्रहाः पि
सा च ग्रहाः आकास
ग्रहा जल ग्रहाः मूल
ग्रहा कृमि नि ग्रहाः वा
त ग्रहाः आया शुलाग्र
हाः नौ ग्रहाः किन्नर ग्र
हाः कि पुरुष ग्रहाः ग
रुद ग्रहाः गन्धर्व ग्रहाः

दुर्ब ग्रहाः चरन ग्रहाः
चौर ग्रहाः नक्षत्र ग्रहाः
उग्र ग्रहाः अपवे ग्रहा
नीचा ग्रहाः भया ग्रहाः
प्राणायाम ग्रहाः काल ग्रहाः
अनमिल ग्रहाः कपुत
ग्रहाः विधि ग्रहाः विप
रीत ग्रहाः विनास ग्रहाः
वाला ग्रहाः वान ग्रहाः मृ
गराग्र ग्रहाः कोल ग्रहाः
काल कु राड ल ग्रहा विष

ग्रहाः नाडिग्रहाः आद
तसु भग्रहाः वेलालग्र
हाः वायुग्रहाः आनंदग्र
हा सुभग्रहा आदीग्र
हाः रिनग्रहाः आडिग्र
हाः धिसिग्रहाः सुभग्र
हाः पांडुसेगग्रहाः अचे
तग्रहाः सुभग्रहाः
भुकाग्रहाः सुभग्रहा
उग्रग्रहाः निर्गंदग्रहा

वराह नसु भग्रहाः वायुसु
भग्रहाः गुप्तवारग्रहाः
दुष्टामरग्रहाः मरग्रहाः
बुद्धतग्रहाः आतविषः॥
सिरवागवचनैदादिसु
भदेव भसमवंदेदेवदि
देदेद॥ लेलगुनेवे॥ दे
ददुददवेद॥ आर। जिर
हि॥ सुभकरिसुन्दरं
वंदेभ॥ ओं। तिलदेव॥
सुभदिष्टिआनन्दभयो

मुर्ति साधक ॥ पादुका
आचारा जपना ॥ सिद्धि
सुभकरि ॥ आधरे ॥ ५
या करुना ॥ साग्र हार
द्रा मुर्तिः ॐ विरभद्र
हा स्वरु पायेः हा स था
स्त पालनाय ॥ हात बल
व कोरा देव पाल माता
मनि मुर्ति क कि कि नि
ॐ हा दि दो दु द ॐ हो हो
हौ हुं ॥ ॐ विरभद्राये
नमो नम ॥ मृत्पुज

ये महारुद्राये ॥ नरसिं
ह कुमाल वत वानराये
नरसिं घ मे घ पात लामा
रु माया नरसिं घ ज रा
जन्धर्वः ॐ वजर मुं राद्रा
धानरसिं घ हा रु रु किं
राद्रा विना वेद्राये ॥ न
ने घ प्रा वोर वत वान
राये देव मुर्ति मुनीम
ऊ राद्रा ये माऊ माया वज
र विताया लोकै पाथाये ॥
त्रैलोक्य परधी न्येद्राये

सेवक जरा सपुनाये ॥
ॐ विरभद्राये कालि मनो
राम माये ॥ ॐ विरभद्र
काली मनो राम माये ॥
ॐ श्री विरभद्राये: आ
ज छ वेलाये ॥ वेसाये:
आ व लारये: ॐ हो २
हं हं हं ॐ श्री विरभ
द्रये ॥ लाल धुलु २ वि
रव माये ॥ ॐ २ चिता
लं चिता लं ३ ॥ लुलु
नुलुनु २ जि लं ज था

राजा हंस क था ये ॥
ॐ हं हं हो ॥ ॐ श्री विरभ
द्राये: ॐ वि २ ॐ वि २ ॐ वि २
ये व लि २ ॐ श्री विरभ
द्राये ग्र हा ॥ मई सा सये
च सये सनु नु चालये
वि सु ले सा वि धर ये ॥
वि धार य: वि शारो शर्व
उ र ल या हा नं सिल लं
ट च ॥ सु सो रं क र्क
रा सो का ॥ मुख व ठ कर

लं जी हा ना र श्री वा २
ऊँ क ल व क्ष स था लि
प्र ५ स रा णा भि ग ह्ने लि
ज जा नु जं धै गुर फा ॥
पा दु पा दा गु ली ना था ॥ ॥
वि दे हि र्धे वा ग दे हि से
मा ऊ स र्वे लं वि धि ॥
ता या मु र्ति य म त ये
या थ ये मो ह य त्वा हा
वि द्र व यो नि स भ यो ॥
ता दा ये स र्व रौ ग भ्र मा
व्या वि नां स नं ॥ स र्व

स तुरः भं ज ये २ प्र भ य ना
स नं पर मं च पर तं च वे
द ना स ये २ म न्य मं च त ना
॥ मं च तं च मि धा ये ॥ प्र
। जे ला ये ॥ भ ग त ये ॥
भ ग त प्र ति पा ल ना य ॥
स र्व स तु वि म र्द ना य ॥
स र्व ज न लो क ह र्ध ना ये ॥
प्र स न्न भ क्त ज न स र ना
धार ना ये ॥ के व ले क भ
भ क्त ज न स र्वा धा गुं ॥
ॐ वि र भ दा ये न मो न मः

ॐ हौं ह्रूं कृत्वा हा ॐ ह्रिं ३
श्री ३ विर भद्रा ये मैत्र क
प्र चै पतल मूः ॥

जस्को घर मा भुत प्रत
दा की नी लो की नी दो दे
व ता ले वि धु गरी पि
री न सि का घर मा जय
पाथ पुर चै र न गरी पु
जा गरी श्री नुर स व दोष
हराई जांछ ॥ ॥

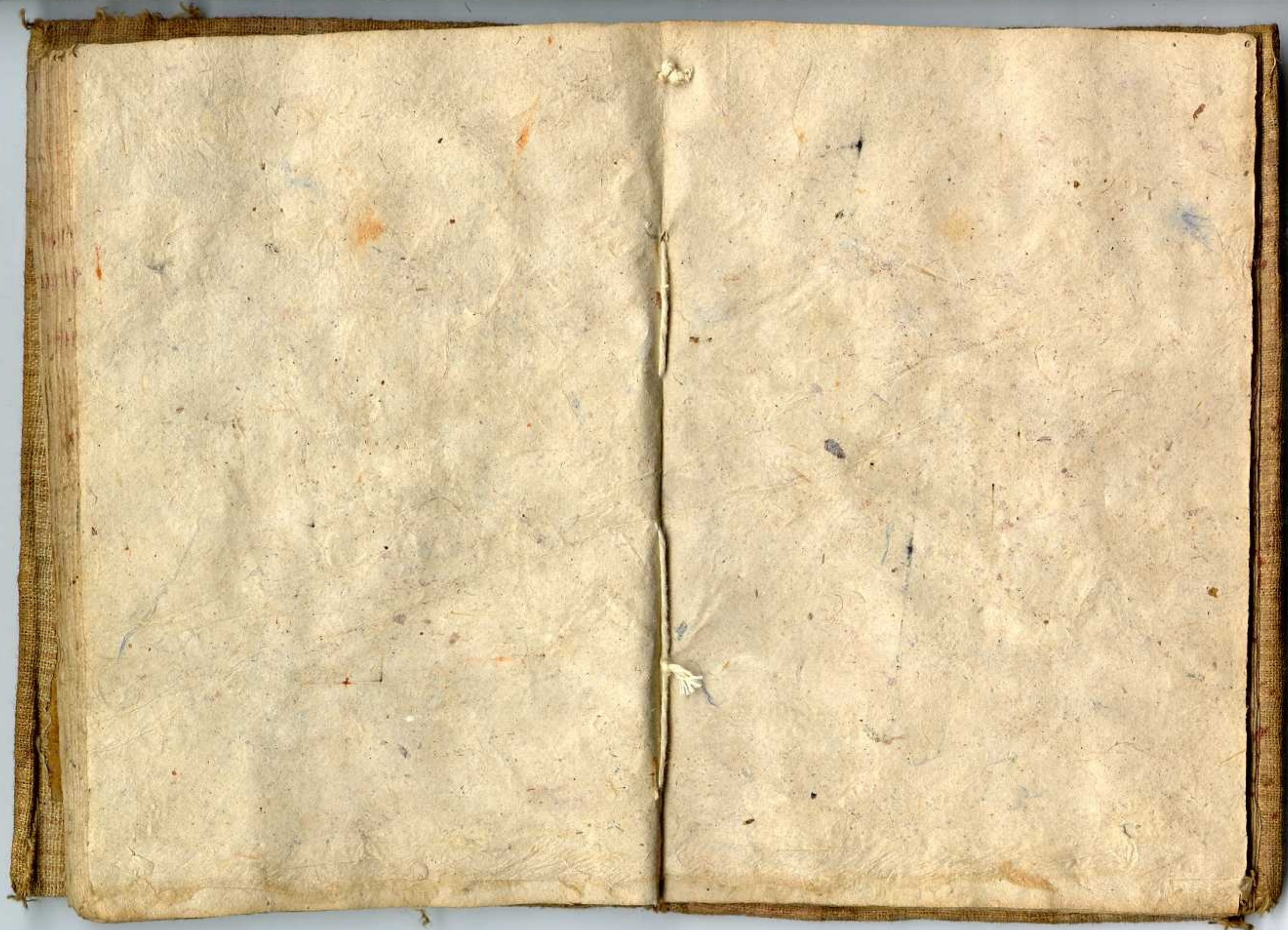
ॐ चन्दी ७५ ७५ कि ता
ली प्रज कि छा ती प्रज की
का ना ले ग् • आ वा रा
जा वान जो रा पार व मा
कि वा चाः दल सि भुजा ७२

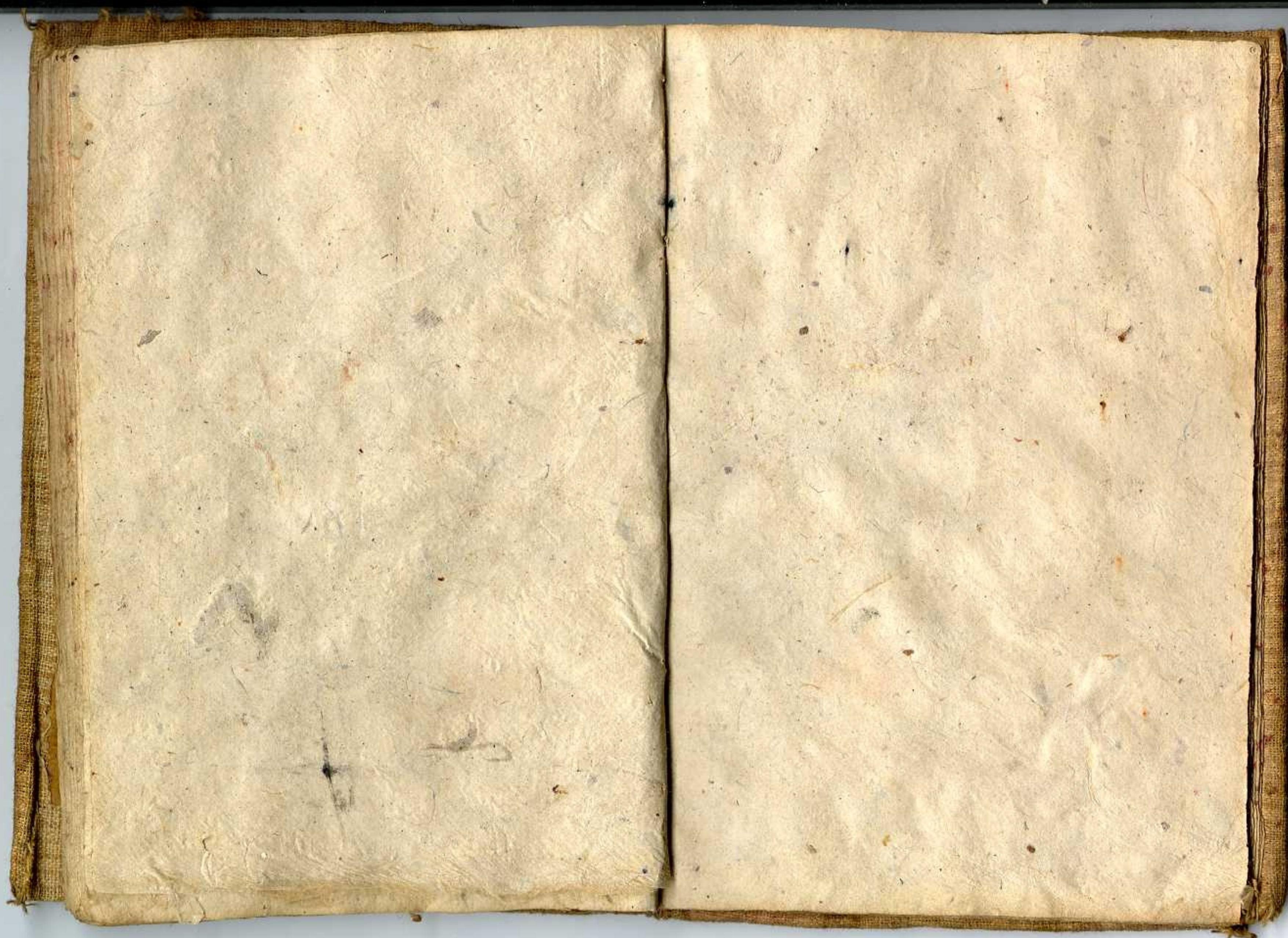
ना नी कां धा

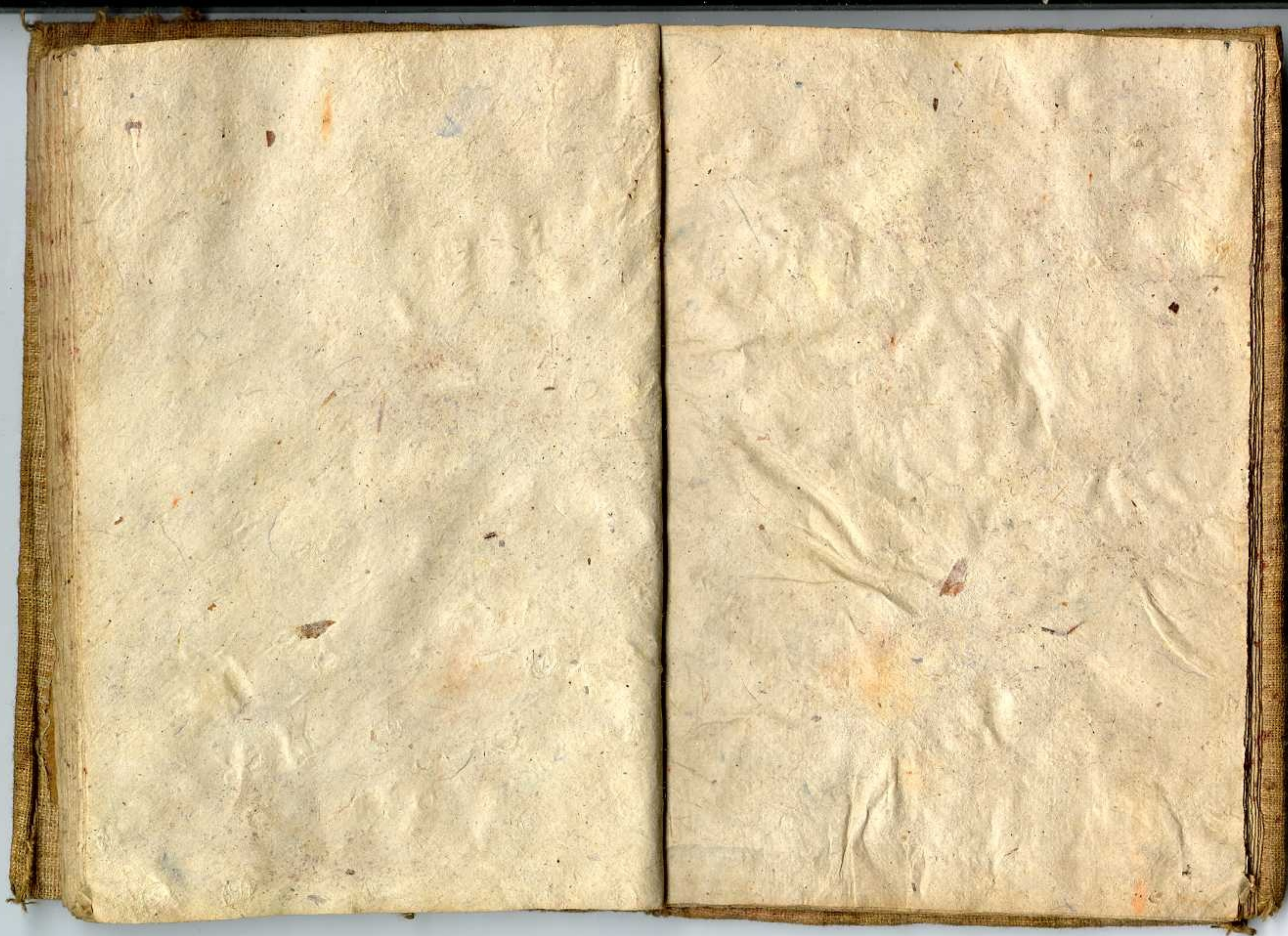
ॐ श्रीरवं श्रीरवं श्रीरवं
मनवदुर्गे चामुखादा
देवि जा हा लागे वज्र
कि वारिं हा मिं ध्यातुं
स्वा हा

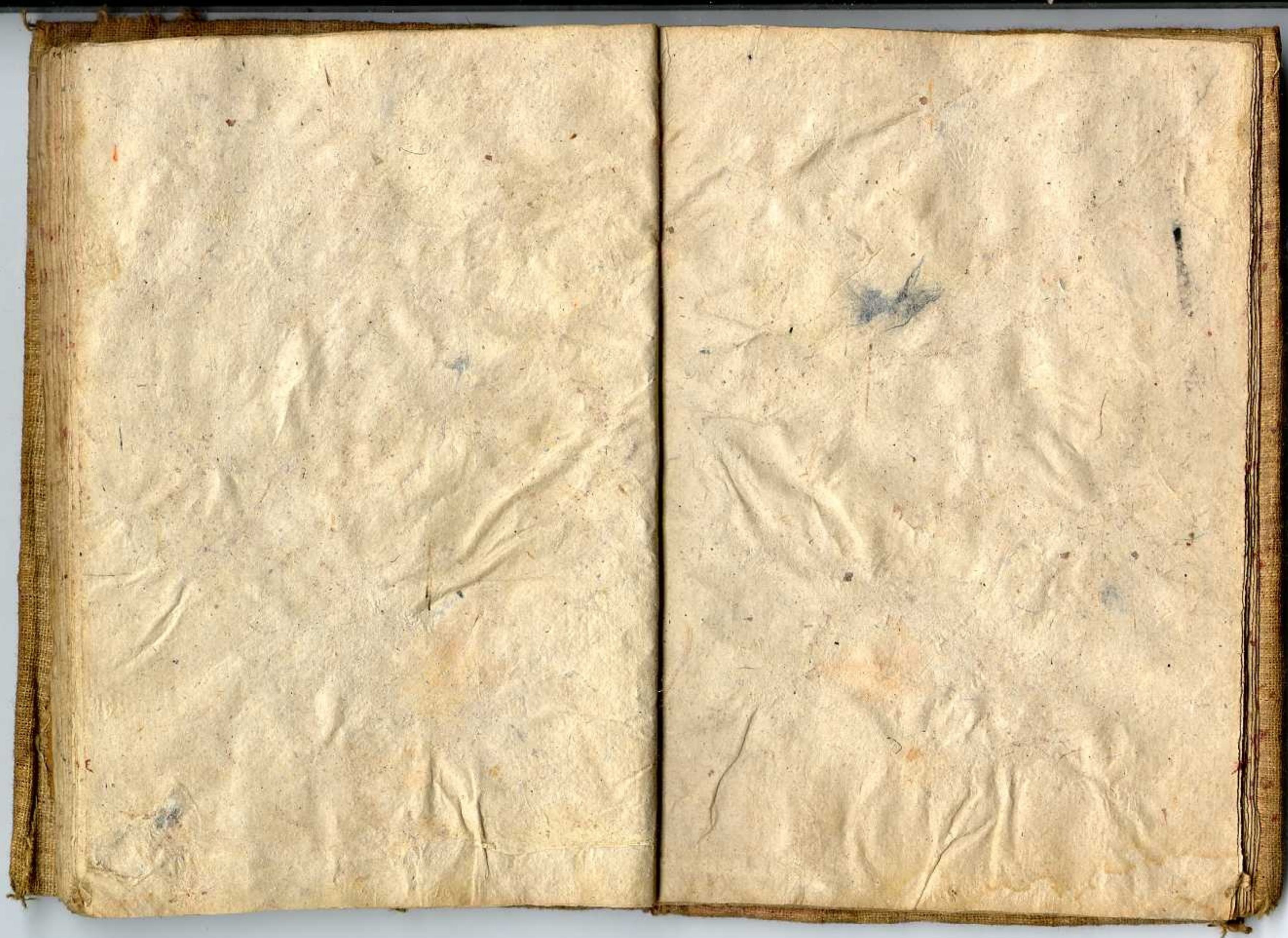
जप १५
चामटा १५

ॐ नृसिंहाय नमः







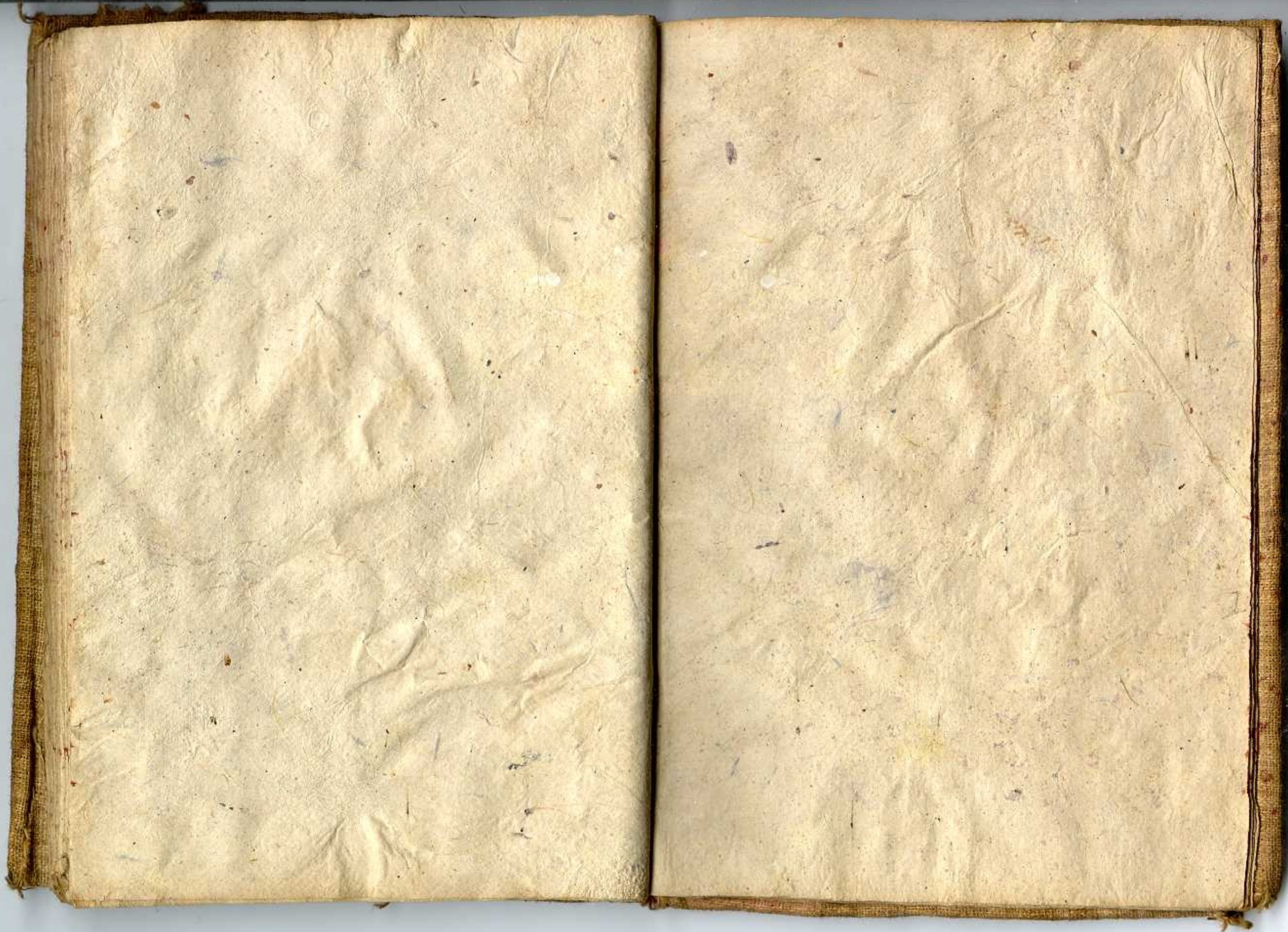


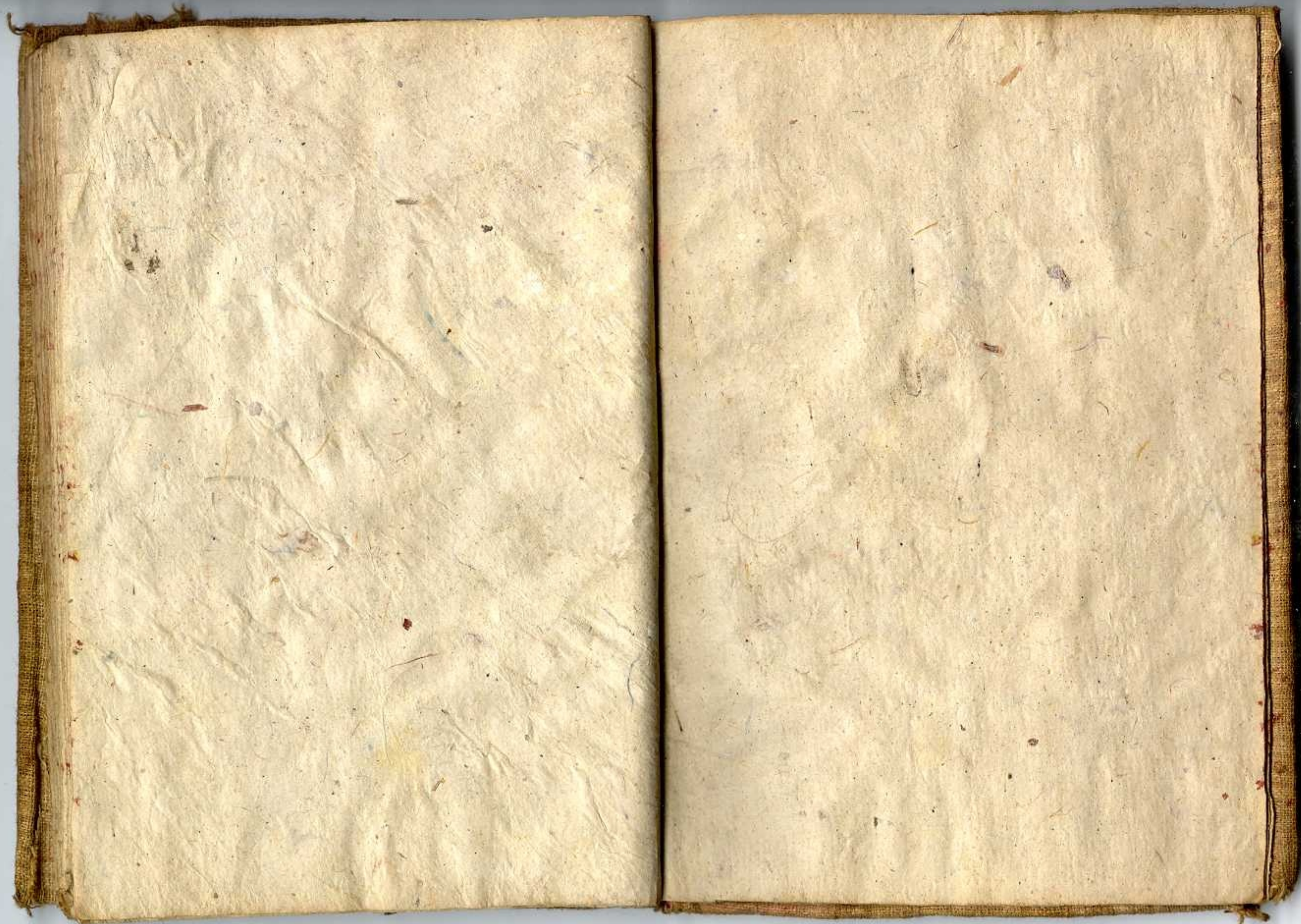




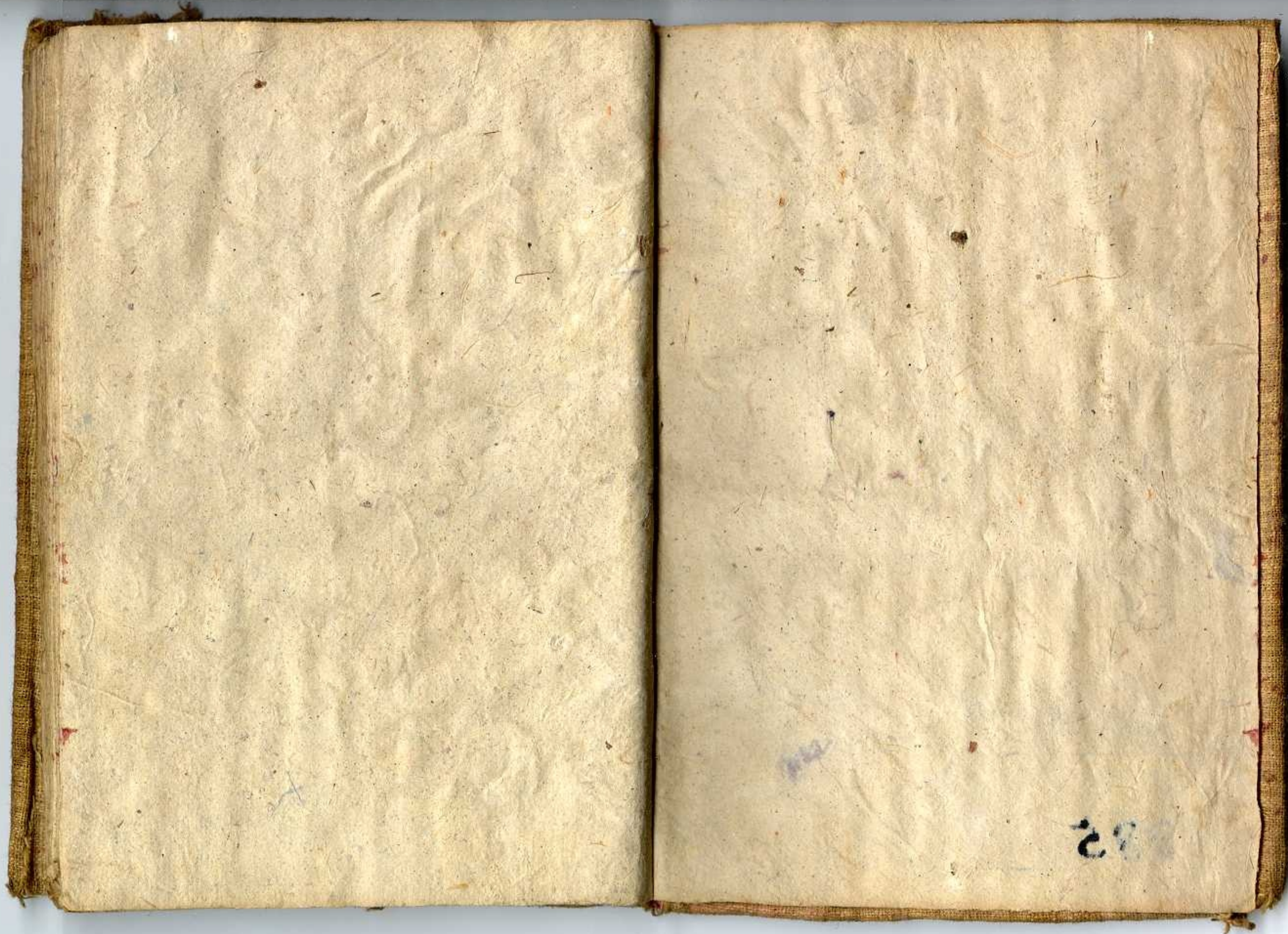












22

ASHA ARCHIVES

आशा नरकाथि

885

ASHA ARCHIVES

